हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 23 जून 2024

11 बड़ी धूमधाम से मनाया सिखों के छठे गुरु हरगोबिंद...

12 संत शिरोमणि कबीरदास बाल्यावस्था से ही धार्मिक ...

खबर संक्षेप

कॉलेज में पढ़ने वाली युवती लापता, केस दर्ज

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा पुलिस ने लड़की के लापता होने पर पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पुलिस में दी शिकायत में पिता ने बताया कि उसकी पुत्री भिवानी के राजीव गांधी महिला महाविद्यालय में पढ़ती है। रोजाना की तरह वह वीरवार को भी भिवानी गई थी लेकिन वापिस घर नहीं पहुंची। हर संभव तलाश करने पर उसका कहीं अता पता नहीं चला। पुलिस ने पिता की शिकायत पर पुत्री की गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

आंगनवाड़ी केन्द्र में चोरी, मामला दर्ज

बवानीखेड़ा। गांव जीात खेड़ी के आंगनवाड़ी केन्द्र में चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस में दी शिकायत में जीता खेड़ी निवासी राजकुमारी ने बताया कि वह आंगनवाड़ी वर्कर के पद पर कार्यर करती है। आंगनवाड़ी केन्द्र मिडल स्कूल के अंदर बना हुआ है। 18 जून को रात के समय अंजान व्यक्ति द्वारा एक बैटरीए 2 गैंस सिलेंडर व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना का ड्रा 24 को

चरखी दादरी। हरियाणा सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर आल के उद्देश्य को लेकर शुरू की गई मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना से नागरिकों का अपने घर का सपना साकार होगाए ऐसे में पात्र लाभार्थियों को 24 जून को निकाले जाने वाले ड्रा के माध्यम से प्लाट आवंटित किए जाएंगे। उपायुक्त मनदीप कौर ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत प्लाटों के ड्रा के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्त्रम को लेकर अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं और विभिन्न जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। उन्होंने कहा कि ड्रा को लेकर जरूरी प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। यह ड्रा 24 जून को दोपहर 12 बजे जनता कालेज के सभागार में निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रधानमंत्री आवास योजनाष के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना शुरू की गई है। इसके तहत जिला के आवेदकों ने प्लाटों के लिए आवेदन किया हुआ है, जिनको ड्रा के माध्यम से प्लाट आवंटित किए जाएंगे।

इंसानी धर्म की पालना करने वाला ही अच्छे कर्म भी करता : कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- परमसंत हुजूर कंवर साहेब ने एक महीने के कनाडा सत्संग प्रवास से लौटने के पश्चात दिनोद गांव में साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल
- आज इंसानियत का दिखावा तो सब करते हैं लेकिन इंसान कोई बिरला ही है। सच्चा इंसान वो है जो सच्चा पुत्र है सच्चा भाई है साथी
- साध संगत से भ्रूण हत्या जैसे पाप को मिटाने और वृक्षारोपण कर पर्यावरण व जल का संरक्षण का आह्वान किया

इंसान सोचता है कि जो कुछ हो रहा है वो उसके सामर्थ्य से हो रहा है जबकि हकीकत यह है कि जो कुछ हो रहा है वो परमात्मा की रजा से हो रहा है। इंसान का काम है कर्म करना। कर्म के अनुसार ही फ ल मिलता है। इंसानी धर्म की पालना करने वाला ही अच्छे कर्म भी करता है और भक्ति भी कमाता है। यह सत्संग वचन परमसंत हुजूर कंवर साहेब ने एक महीने के कनाडा सत्संग प्रवास से लौटने के पश्चात दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए।

सारे जहान में हिंदुस्तान सर्वोत्तम

हुजूर ने कहा कि यह सत्य है कि सारे जहान में हिंदुस्तान सर्वोत्तम देश है जहां इंसान इसी जीवन में धर्म कर्म और भक्ति कमाता है। उन्होंने कहा कि जैसा आपका ख्याल और नजरिया होता है आप प्राप्त भी वैसा ही करते हो। जैसा आप अंतर में हो वैसा ही बाहर रहा करो। जिसके खुद के दिल में पाप है वो दुसरो का भला कैसे कर सकता है। आज इंसानियत का दिखावा तो सब करते हैं लेकिन इंसान कोई बिरला ही है। सच्चा इंसान वो है जो सच्चा पुत्र है सच्चा भाई है साथी है।

नाते स्वार्थों के नहीं सच्चाई के रखो। हुजूर ने कहा कि मेहनत का फल कभी जाया नहीं जाता। सत्संग आपको सच्चा और सुच्चा बनाता है। सत्संग आपको निस्वार्थ सेवा सिखाता है। गुरु महाराज ने उपस्थित संगत को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सन्तो का हर वचन कल्याणकारी है। वो आपके अध्यात्म को भी बनाते है और आपके समाज को भी क्योंकि सन्तों ने इस समाज के व्यवहार को भी अंदर तक परखा है और परमात्मा के नूर को भी पाया है। उन्होंने साध संगत से सामाजिक बुराइयों को नेस्तनाबूद करने का आह्वान करते हुए कहा की भूरण हत्या जैसे पापो को मिटाओ। वृक्षारोपण करो और पर्यावरण व जल का संरक्षण करो।

‘वॉल खराब’ नहीं हो पाया शहर के लोगों का हलक तर

टैंकर संचालकों ने काटी चांदी, मनमाफिक पैसे से घरों में पहुंचाया पानी

शहर के लोग पानी के लिए दाएं-बाएं भटकते नजर आए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। घंटाघर चौक पर लगी वॉल को उखाड़ती जेसीबी और घंटाघर चौक पर वनवे करने की वजह से वाहनों की लंबी लाइन।

शनिवार को शहर में पीने के पानी की भयंकर किल्लत रही। घंटाघर चौक पर स्थित पाइप लाइन पर लगी वॉल खराब होने से पूरे शहर में पीने के पानी की सप्लाई नहीं हो पाई। जिसके चलते शहर के लोग पानी के लिए दाए बाए भटकते नजर आए। वहीं पानी की सप्लाई न पहुंचने से शहर में पानी के टैंकर संचालकों ने जमकर चांदी काटी। पानी की डिमांड बढ़ने की वजह से टैंकर संचालकों ने लोगों से टैंकर का पानी डालने के बदले मनमाफिक पैसा वसूला। पूरे दिन शहर में पानी को लेकर हाहाकार की स्थिति बनी रही।

दूसरी तरफ पाइप लाइन पर लगी वॉल को दुरुस्त करने के लिए पब्लिक हेल्थ विभाग ने घंटाघर चौक पर सड़क को खुदवा दिया। जिसकी वजह से घंटाघर चौक से लेकर हांसी गेट तक यातायात को वन वे किया गया। पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रही। बताते हैं कि घंटाघर चौक पानी की सप्लाई की लिहाज से शहर के बीच में है। निनान जलघर से पानी छोड़ा जाता है तो भी घंटाघर चौक पर लगी वॉल की जरूरत पड़ती है। यदि डॉबर कॉलोनी से सप्लाई दी जाती है तो भी इसी वॉल की जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस वॉल के बिना पूरे शहर की सप्लाई प्रभावित होती है। शनिवार को शहर में वॉल दुरुस्त करने के लिए सभी जलघरों से पानी की सप्लाई को बंद करवा दिया गया और बीच सड़क पर खुदाई शुरू करवाई गई। इसके लिए पूरे शहर में पीने के पानी की सप्लाई नहीं हो पाई। इस दौरान पब्लिक हेल्थ के कर्मचारी बीच सड़क पर खुदाई करने में जुट गए। देर शाम तक खराब वॉल को दुरुस्त नहीं किया जा सका था। जिसकी वजह से पूरे शहर में पीने के पानी की सप्लाई नहीं हो पाई।

पीने के पानी की सप्लाई न आने से पूरे दिन शहर के लोगों को बिन पानी गुजारना पड़ा। लोगों ने जरूरतों को पूरा करने के लिए टैंकरों का सहारा लिया। टैंकर संचालकों ने पानी की सप्लाई न आने की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उपभोक्ताओं से मनमाफिक पैसे लिए। पैसे देने बावजूद भी कई घंटों तक पानी का इंतजार किया। कुछ लोगों ने पानी की जरूरत हैंडपैम्पों से पूरी की। दूर दराज के क्षेत्रों में लगे हैंडपम्पों तक पहुंचकर लोग पानी लाए। यह नजारा पूरे दिन शहर में देखने को मिला। किसी के हाथ में कैम्पर तो किसी के कांधे पर मटका रखा नजर आया।

रास्ते को किया वन वे

घंटाघर चौक पर लगी वॉल को बदलने के लिए कर्मचारियों ने बीच सड़क को खोदना शुरू कर दिया। सडक की खुदाई के चलते वाहनों को एक तरफ से निकाला गया। जिसकी वजह से भीड़ बढ़ गई। जिसकी वजह से पूरे दिन हांसी गेट से घंटाघर चौक तक जाम की स्थिति बनी रही। शाम तक इसी तरह की समस्या बनी रही।

सर्वोच्चय नागरिक पुरस्कार के लिए 15 सितंबर तक लिए जाएंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- गणतंत्र दिवस पर की जाएगी पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री की घोषणा

गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामत पद्म विभूषणए पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए गृह मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिसकी अंतिम तिथि 15 सितंबर है। नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति.पत्र ;अधिकतम 800 शब्दद्ध भी जिसमें अनुसंशित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र के विषय में विशिष्ट और अनन्य उपलब्धियों या सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। महिलाओंए समाज के कमजोर वर्गोंए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियोंए दिव्यांग लोगों तथा समाज की निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों में से उन प्रतिभावान व्यक्तियों की पहचान के लिए मिलकर प्रयास किए जाएं। जिनकी उत्कृष्टता और उपलब्धियां वास्तव में सम्मान की हकदार हैं।

भिवानी। कबीरदास जयंती पर सत्संग में प्रवचन देते बाबू साहेब। फोटो : हरिभूमि

संत कबीरदास जयंती पर निगाणा धाम में सत्संग और भंडारे का किया आयोजन, छबली लगाई

भिवानी। आनंद परमानंद सत्संग आश्रम धाम निगाणा में गुरु कबीर साहेब की 647वीं जयंती पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया और मीठे पानी की छबील लगाई। सेवादार सुधानंद ने बताया कि सत्संग में सतगुरु बाबू साहेब ने संत कबीरदास साहेब की जीवन के बारे में बताया और शब्दों के माध्यम से उनकी महिमा का गुणगान किया। उन्होंने बताया कि भक्ति आंदोलन की शुरूआत कबीर साहेब ने 600 साल पहले की और विश्व में भक्तिमार्ग का प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने कहा कि वैसे तो अनेक उदाहरण हैं जो अविश्वसनीय और अकल्पनीय है, लेकिन संत कबीर साहेब ने कर दिखाया कि भक्ति में शक्ति होती है। इस अवसर पर शब्द गायक प्रकाश आनंद साहलेवाला, विजय रामपुरा बेरी, सुधानन्द बीराण, निर्मला, संतोष भिवानी, सोनू सुरपुरा आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने मुख्यमंत्री से की भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। सीएम नायब सैनी का स्वागत करती हुई। फोटो : हरिभूमि

- विश्वविद्यालय में कई नई शैक्षणिक परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने विश्वविद्यालय में कई नई शैक्षणिक परियोजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा खेल, शिक्षा एवं शोध के साथ.साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में स्थापित किये गये तमाम नये कीर्तिमानों की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को नई शिक्षा नीति के क्त्रियान्वयन के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा उठाये गये महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष विश्वविद्यालय में युवाओं को रोजगारोन्मुखी, गुणवत्तापूर्ण सांस्कृतिक शिक्षा के साथ.साथ आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में चलाये जा रहे अभियानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में स्वर्ण जयंती यूनिवर्सिटी कॉलेज शुरू करने और इसमें आठ नये रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम चलाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

एचसीएस अंजू को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। एचसीएस परीक्षा में 9वां रैंक हासिल करने वाली अंजू को सम्मानित करते डॉ. फूलसिंह धनाना व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हाल ही में घोषित हुए एचसीएस परीक्षा परिणाम में सेक्टर-13 निवासी अंजू ने 9वां रैंक हासिल किया है। अंजू की उपलब्धि पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इसी कड़ी में शनिवार को डॉ. फूलसिंह धनाना सहित अन्य सेक्टरवासियों ने अंजू को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ. फूलसिंह ने कहा कि एचसीएस परीक्षा परिणाम में कुल 122 बच्चों का चयन हुआ है, जिसमें अंजू का 9वां रैंक है। अंजू की उपलब्धि ने परिजनों, बल्कि समस्त भिवानीवासियों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। अंजू सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में होनहार नहीं, बल्कि बॉस्केट बॉल की भी राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी है। अंजू ने अपनी उपलब्धि का श्रेय पिता सूबेदार मेजर रामफल, अमरकला देवी सहित गुरुजनों को दिया है। अंजू की उपलब्धि पर सेक्टर-13 की दी भिवानी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसो. के प्रधान रामकिशन शर्मा, पार्षद सूर्याकांत, प्रधान संदीप तंवर, कांग्रेस नेता धीरजसिंह, पूर्व चेयरमैन विजय पंचगांवा आदि ने बधाई दी।

लोहारू। रेलवे स्टेशन परिसर में लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए जीआरपी चौकी इंचार्ज। फोटो : हरिभूमि

जीआरपी ने नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान, चौकी इंचार्ज ने बताए नशे के दुष्परिणाम

लोहारू। जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाश चंद शर्मा ने कहा कि नशा व्यक्ति और व्यक्तित्व दोनों का नाश करना है। शारीरिक और मानसिक नुकसान ही नही बल्कि नशे से व्यक्ति को आर्थिक नुकसान भी होता है। चौकी इंचार्ज शुक्त्रवार को आरपीएफ इंचार्ज पूनम व स्टाफ के सदस्यों के साथ रेलवे परिसर में नशा मुक्ति अभियान अभियान चला रहे थे और लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक कर रहे थे।

रेलवे पुलिस अधीक्षक राजेश कलिया के निर्देशानुसार चलाए गए इस अभियान के तहत कैलाश चंद शर्मा और पूनम कुमार ने रेलयात्रियों और आम लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इससे व्यक्ति अपने शरीर और मस्तिष्क दोनों पर संतुलन खो बैठता और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी क्षीण होती चली जाती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और नैतिकता को जीवन में अपनाने वाले व्यक्ति सदैव आगे बढ़ते हैं। इस दौरान अनेक रेलयात्रियों ने इस जागरूकता अभियान की सराहना की और जीवन में कभी भी नशा नही करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर विनोद कुमारीए संदीप कुमार सहित स्टाफ सदस्य और अनेक रेलयात्री मौजूद थे।

पेपर लीक मामले को लेकर दहाड़ी युवा कांग्रेस

युवा जिला अध्यक्ष की अगुवाई में शहर में निकाला जुलूस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शनिवार को नीट पेपर लीक व यूजीसी नेट पेपर घोटाला, एचसीएस भर्ती घोटाला मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस का धर्य जवाब दे गया। रोजाना हो रहे पेपर लीक मामलों को लेकर युवा कांग्रेस ने शहर में जुलस निकाला, शहर में प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि सतारूढ़ सरकार की ढिलाई की वजह से रोजाना पेपर लीक हो रहे है। जिसकी वजह से परीक्षा की तैयारी करने वाली प्रतिभागियों के साथ अन्याय है। अगर पेपर लीक मामला नहीं रुका तो वे पूरे प्रदेश में आंदोलन छेड़ने पर मजबूर होंगे। युवा कांग्रेस ने पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी के आवास से युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकास कुमार की अध्यक्षता में जुलूस आरंभ किया। जुलूस सब्जीमंडी से होता हुआ रोहतक गेट पहुंचा। यहां पहुंचने के बाद युवा कांग्रेस ने भाजपा की जनविरोधी नीतियों का बखान किया और कहा कि भाजपा की नीतियों की वजह से आज आए दिन पेपर लीक हो रहे है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि विगत में नीट पेपर लीक मामले में सरकार की इस तरह की परीक्षाओं की विश्वसनियता पर सवालिया निशान लगा दिया।

यूजीसी के जेआरएफ व नेट जैसी परीक्षाओं के प्रशन पत्र लीक होना सरकार की परीक्षा आयोजन करवाने वाली एजेंसियों की संलिप्ता होने से इंकार नहीं किया जा सकता। या यू कहिंए कि उक्त एजेंसियों के भ्रष्टाचारियों तक तार जुड़े है। ऐसे में परीक्षाओं की कई वर्षों से तैयारी करने वाले प्रतिभागियों के साथ घोर अन्याय है। केंद्र सरकार से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करनेए पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई व सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत जज से कराए जाने की मांग की।

साथ ही उन्होंने उक्त परीक्षा में एससी व बीसी के कैंडीडेट की सीटें खाली रख कर उनके साथ अन्याय किया है।

THE OAKWOOD SCHOOL
A Co-Educational Sr. Sec. School, Affiliated to HBSE
REQUIREMENT
TGT - English, Hindi
NTT
PRT - All subject
PTI
Education qualification as per govt. norms
Walk-in-interview on 28 June 2024 (Friday)
Time : 9:00 am to 12:00 Noon at School Campus
Near Education Board, Sec-13 Road Bhiwani
Contact No. 9254330400

डिजिटल ठग कर सकते हैं कंगाल, रहें सावधान

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

●

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● शेयर मार्केट में पैसा लगाने से पहले एक बार जरूर विचार करें ● एनएसई ने भी इंस्टाग्राम व टेलीग्राम के हैंडल्स से किया सतर्क ● निवेशक डब्बा और इलीगल ट्रेडिंग से भी सावधान रहें

अलर्ट

विनोद कौशिक

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो कुछ बातें पल्ले बांध लें, वरना भारी नुकसान हो सकता है। सबसे जरूरी तो निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय कर लें और सधी शुरूआत करें। निवेश करने के लिए पहले बाजार के बारे में जान लें, किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें या बाजार के जानकारों से सलाह भी ले सकते हैं, लेकिन निवेश अपनी समझदानी से ही करें। निवेश के लिए डिजिटल मचों के झांसे में न आएं, ये आपको कंगाल कर सकते हैं। खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम चैनल्स के टिप्स लेकर निवेश करने से बचें। ये मंच आपको बड़ा चूना लगवा सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें और खुद रिसर्च करने के बाद ही बाजार में उतरें। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने भी निवेशकों को उस इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनल के प्रति आगाह किया है जो निवेश से संबंधित टिप्स देने का दावा करते है। एक्सचेंज ने निवेशकों को डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग सर्विसेज प्रदान करने वाली एंटिटी के खिलाफ भी चेतावनी दी।

एनएसई की चेतावनी

एनएसई ने 'बीएसई_एनएसई_लेटेस्ट' नाम के इंस्टाग्राम हैंडल और टेलीग्राम चैनल 'भारत ट्रेडिंग यात्रा' के खिलाफ चेताया है। जो ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के ट्रेडिंग अकाउंट्स को हैंडल करने की पेशकश कर रहे हैं। निफ्टी ने अवैध ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

एक अन्य रिलीज में यह कहा

एक रिलीज में एक्सचेंज ने 'बेयर एंड बुल प्लेटफॉर्म' और 'ईजी ट्रेड' से जुड़े आदित्य नाम के शख्स का जिक्र किया जो डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग सर्विसेज मुहैया कराता है। एक्सचेंज ने इसके दो मोबाइल नंबर-8485855849 और 9624495573 भी पब्लिक किए हैं। एनएसई का कहना है कि यह शख्स एनएसई के किसी रजिस्टर्ड मेंबर के ऑथराइज्ड मेंबर या खुद किसी मेंबर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है।

रियल एस्टेट निवेश

रियल एस्टेट से जुड़े निवेश के जरिए जल्दी पैसे कमाने का वादा निवेशकों को लुभाता रहता है। रियल एस्टेट निवेश घोटाले निवेशकों के लिए हमेशा से एक जाल रहे हैं। राज्य प्रतिभूति विनियामक निवेशकों को रियल एस्टेट निवेश सेमिनारों के बारे में सावधान करते हैं, खासकर उन सेमिनारों के बारे में जिन्हें स्टॉक, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड से जुड़ी अधिक पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना रणनीतियों के विकल्प के रूप में आक्रामक रूप से विपणन किया जाता है। इन सेमिनारों में उपस्थित लोगों को ऐसे लोगों के प्रशंसापत्र सुनने को मिल सकते हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने रियल एस्टेट में साधारण निवेश के माध्यम से अपनी आय दोगुनी या तिगुनी कर ली है, लेकिन ये दावे हवा-हवाई हो सकते हैं। सबसे लोकप्रिय निवेश पिचों में से दो तथाकथित हार्ड-मनी लेंडिंग और प्रॉपर्टी फ्लिपिंग शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार दुनिया में चौथे नंबर पर

बता दें कि भारत ने हांगकांग से चौथे सबसे बड़े ग्लोबल इक्विटी बाजार का टैग वापस ले लिया है। देश का मार्केट कैप बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 5.17 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह भारत दुनिया को चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश

2017 में क्रिप्टोकरेंसी निवेश की मुख्यधारा में आ गई, क्योंकि बिटकॉइन के नेतृत्व में कुछ आभासी सिक्कों और टोकन के मूल्य आसमान छू गए। इसके तुरंत बाद, समाचारों में नई क्रिप्टोकरेंसी, कॉइन एक्सचेंज और संबंधित निवेश उत्पादों की कवरेज दिखाई दी। क्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। लेकिन बड़ी बाजी लगाने और हारने वालों की कहानियां भी सामने आने लगीं और लगातार सामने आ रही हैं। क्रिप्टो क्रेज में कूदने से पहले, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मुखौटे से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये उत्पाद मौजूदा संघीय/राज्य नियामक ढांचे में ठीक से नहीं आते हैं, इसलिए इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए आपको ठगना आसान हो सकता है। तदनुसार, क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पादों में निवेश को इस रूप में देखा जाना चाहिए। नुकसान के उच्च जोखिम के साथ अत्यधिक जोखिम भरा सट्टा।

निवेश धोखाधड़ी के प्रकार

उच्च ब्याज दरों का वादा

अक्सर देखने में आता है कि कम ब्याज दरों के माहौल में, उच्च ब्याज वाले वचन-पत्रों का वादा निवेशकों को लुभा सकता है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और निश्चित आय पर जीवन-यापन करने वाले अन्य लोगों को। वचन पत्र भविष्य में किसी निश्चित समय पर या मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान (या पुनर्भुगतान) करने का लिखित वादा है। वचन पत्र आम तौर पर नोट की परिपक्वता से पहले या परिपक्वता के समय समय-समय पर ब्याज देते हैं। कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए वचन पत्र बेच सकती हैं, और आमतौर पर उन्हें केवल परिष्कृत या संस्थागत निवेशकों को ही देती हैं। लेकिन सभी वचन पत्र इस तरह से नहीं बेचे जाते हैं। इसलिए ऐसे वचन पत्रों से सावधान रहने की जरूरत है।

पोन्ज़ी योजनाएं

पोन्जी योजना (जिसका नाम 1920 के ठग चार्ल्स पोन्जी के नाम पर रखा गया) एक चाल है, जिसमें पहले के निवेशकों को बाद के निवेशकों द्वारा जमा किए गए धन के माध्यम से भुगतान किया जाता है। चार्ल्स पोन्जी ने अंतर्राष्ट्रीय डाक उत्तर कूपन पर आर्बिट्रेज लाभ से 40 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 10 मिलियन डॉलर ठगे थे। पोंजी स्कीम में, अंतर्निहित निवेश दावे आमतौर पर पूरी तरह से काल्पनिक होते हैंऔर बहुत कम, यदि कोई हो, तो वास्तविक भौतिक संपत्ति या निवेश आम तौर पर मौजूद होते हैं। जैसे-जैसे कुल निवेशकों की संख्या बढ़ती है और संभावित नए निवेशकों की आपूर्ति घटती जाती है, वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने और उन निवेशकों को कवर करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है जो नकद निकालने की कोशिश करते हैं। पोंजी बुलबुला तब फटेगा जब ठग निवेशकों को अपेक्षित भुगतान नहीं दे पाएगा। जब योजना ध्वस्त हो जाती है (जैसा कि हमेशा होता है), तो निवेशक धोखाधड़ी में अपना पूरा निवेश खो सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी ने निवेश की गई राशि को निजी खर्चों पर खर्च कर दिया होगा, जिससे फंड खत्म हो जाएगा और बुलबुला फटने की संभावना बढ़ जाएगी।

पिरामिड योजनाएं

ये भी धोखाधड़ी वाली मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीति है, जिसके तहत निवेशक अधिक से अधिक अन्य निवेशकों को भर्ती करके संभावित रिटर्न कमाते हैं। मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीतियां आंतरिक रूप से धोखाधड़ी वाली नहीं हैं, और कई वैध मल्टी-लेवल मार्केटिंग कंपनियां हैं जो विभिन्न उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएं प्रदान करती हैं। जो चीज बहु-स्तरीय विपणन रणनीति को धोखाधड़ी वाली पिरामिड योजना बनाती हैं, वह है वास्तविक अंतर्निहित निवेश उद्यम या उत्पाद का अभाव, जिसके आधार पर रणनीति को कायम रखने की उम्मीद की जा सके।

रिटर्न देने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं, बचाते हैं टैक्स

निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में चार ईएलएसएस फंडों ने 30,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। टैक्स-सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों में निवेश की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है जो आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

महंगाई के इस दौर में हर कोई कमाई के चक्कर में रहता है। कोई बाजार में निवेश करके कमाता है तो कोई मेहनत मजदूरी करके कमाई करता है। हर कोई कोई अपने सुनहरे भविष्य के लिए निवेश भी करता है। बाजार में निवेश करने के ढेरों तरीके हैं। सबके अपने-अपने लाभ और नुकसान हैं। कुछ लोग तो टैक्स बचाने के लिए भी निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंडों की बात करें तो ईएलएसएस फंड टैक्स बचाने और बढ़िया रिटर्न पाने का बेहतरीन तरीका हो सकते हैं। निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंडों का रिटर्न काफी अच्छा रहा है। करीब चार टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमों ने हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को इस अवधि में 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान लगभग 26 ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड मार्केट में हैं। टैक्स सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है कि जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। निवेशक इन स्कीमों में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स कटौती क्लेम कर सकते हैं। ईएलएसएस फंड तीन साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। इसलिए से अच्छा रिटर्न दे जाते हैं।

●

कई निवेशकों को सिर्फ 10 साल में बना दिया करोड़पति

●

चार टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमें कर रही मालामाल

●

ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती

●

30,000 की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ में बदला

अन्य स्कीमों का रटिर्न

⏭प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ी टैक्स-सेविंग स्कीम एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने इस अवधि में 30,000 करोड़ रुपये के मासिक एसआईपी को 75.43 लाख रुपये में बदल दिया। इसने 14.27 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग फंडों ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक निवेश को 69.34 लाख रुपये से 96.60 लाख रुपये के बीच बदला। इन स्कीमों ने 12.69% से 18.90% के बीच एक्सआईआरआर की पेशकश की।

एलएसएस फंड क्या हैं

ईएलएसएस फंड इक्विटी फंड हैं जो अपने कोष का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी या इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। ईएलएसएस फंड को टैक्स सेविंग स्कीम भी कहा जाता है, क्योंकि वे आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आपकी वार्षिक कर योग्य आय से 150,000 रुपये तक की कर छूट प्रदान करते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, ईएलएसएसफंड एक इक्विटी-उन्मुख योजना है जिसमें तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होती है। हाल के वर्षों में, कई करदाताओं ने कर लाभ प्राप्त करने के लिए ईएलएसएसयोजनाओं की ओर रुख किया है। यदि आप ईएलएसएसयोजनाओं में निवेश करते हैं, तो आप 150,000 रुपये की सीमा तक निवेश की गई राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, तीन साल की अवधि के अंत में इस योजना के तहत आपको जो आय होगी, उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और उस पर 10% कर लगेगा (यदि आय 1 लाख रुपये से अधिक है)।

स्कीमों ने बनाया करोड़पति

⏭तेजी से करोड़पति बनाने वालों में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड कैटेगरी में सबसे ऊपर रहा है। इसने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.45 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसी अवधि में इस स्कीम ने 26.58% का एक्सआईआरआर दिया।

⏭बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.10 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसने 21.46 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭सबसे पुराने ईएलएसएस या टैक्स सेविंग फंड एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने इस दौरान 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.01 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसका एक्सआईआरआर 19.75% रहा।

⏭जेएम ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया। एक्सआईआरआर 19.60% रहा।

निवेश के दौरान प्रतिभूति बाज़ार की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम करें

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट और कमोडिटी आदि के बीच बांट देना। इससे आप बिना प्रभावित हुए अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

प्रतिभूति बाज़ार (स्टॉक मार्केट) में निवेश रोमांचक और भयभीत करने वाला हो सकता है, खासतौर पर नए निवेशकों के लिए। नए निवेशकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय होता है बाज़ार की अस्थिरता, जो बाज़ार भावों में उतार चढ़ावकी आवृत्ति और सीमा को दर्शाते हैं। दीर्घावधि निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाज़ार भावों की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम किया जाए और उसे कैसे प्रबंधित किया जाए। आइए, हम चर्चा करते हैं कि कैसे एक निवेशक बाज़ार के उतार चढ़ावों सेअधिक प्रभावित हुए बिना आत्मविश्वासपूर्वक निवेश कर सकता है। अस्थिरता निवेश बाज़ार से संबंधी एक शब्द है जो बाज़ार भावों के अप्रत्याशित और तेज उतार चढ़ावों के समय को परिभाषित करता है। अधिकतर, इसे प्रतिफल के मानक विचलन और अस्थाई गिरावट से मापा जाता है। आमतौर पर उन निवेशकों के लिए जो दीर्घअवधि निवेशपर केंद्रित होते हैं, भावों का दैनिक विचलन इतनामायने नहीं रखता, किन्तु 15-20%+ की गिरावट, जो हर कुछ सालों में होती है, उनके डर का सबसे बड़ा कारण है। आइए समझें कि इससे कैसे निपटा जा सकता है।

विविधीकरण

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और कमोडिटी आदि के बीच बाँट देना। यह रणनीति जोखिम को कम कर सकती है,क्योंकि अलग अलग एसेट वर्ग कई बार समान परिस्थिति में अलग प्रदर्शन करते हैं। म्यूचुअल फंड एक ही स्टॉक में निवेश के जोखिम को कम करते हैं, और संपत्ति का आवंटन संपत्ति वर्ग के जोखिम को। परंतु दोनों के माध्यम से, निवेशक अस्थिरता के प्रभाव को व्यापक तौर पर कम कर सकते हैं। इसके दूसरे तरीकों में शामिल हैं।

हाइब्रिड फंड: यह फंड ऋण और इक्विटी निवेशों का मिश्रण होते हैं। ऋण का इक्विटी के साथ मिश्रण हाइब्रिड (मिश्रित) फंडों को वृद्धि और स्थिरता संतुलित करने में सक्षम बनाता है। ऐतिहासिक रूप से,हाइब्रिड रणनीतियों ने तुलनात्मक रूप से अस्थिरता को प्रभावी रूप से कम करते हुए स्थिर प्रतिफल प्रदान किये हैं।

मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो : हायब्रिड फंडों से भी एक कदम आगे, मल्टी-एसेट पोट्फोलीओ इक्विटी, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, ऋण और सोने (गोल्ड) के मिश्रण से बने होते हैं। यह रणनीति विभिन्न ऐसेट वर्गों के बीच निम्न सहसंबद्धता बनाती है, जिससे एक ऐसा मजबूत पोट्फोलीओ बनता है, जो कम अस्थिरता के साथ इक्विटी निवेश के समान प्रतिफल देने में सक्षम होता है। ऊपर दी गई दोनों रणनीतियाँ कम जोखिम के साथ दीर्घ-अवधि में प्रतिफल देती हैं।

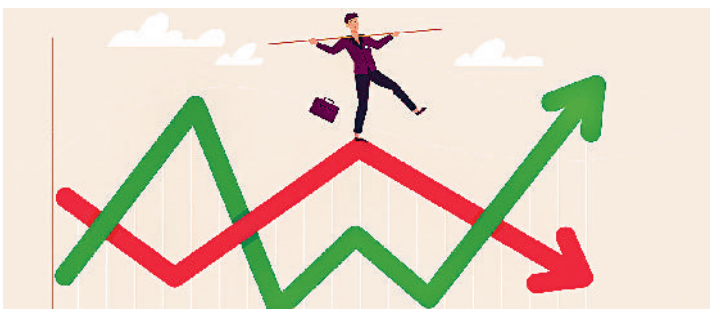

लो वोलेटिलिटी फैक्टर फंड

अस्थिरता कम करने के लिए एक अन्य रणनीति है, निम्न-अस्थिरता वाले लो-वोलेटिलिटी फैक्टर फंडों में निवेश करना। हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंडों, जिनमें निवेशकों को कम जोखिम के बदले प्रतिफल से समझौता करने की जरूरत पड़ सकती है, की तुलना में लो-वॉलेटिलिटी फंड कम अस्थिरता के साथ इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने का लक्ष्य रखते हैं। यह फंड ऐसे स्टॉक्स पर केंद्रित होते हैं जिनमें व्यापक बाजार के मुकाबले भावों का उतार चढ़ाव कम होता है, जिससे निवेश सुचारू रूप से होता है। लो- वॉलेटीलिटी इंडेक्स फंड: यह फंड उनकी पिछले समय की अस्थिरता के आधार पर स्टॉकों का चयन करते हैं, जिनका उद्देश्य ऐसा पोट्फोलीओ बनाना होता है, जिसमें भावों का तेज उतार चढ़ाव कम होता हो। लो-वॉलेटिलिटी फंडों ने पारंपरिक इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने की संभावना दिखाई है और इनमें जोखिम भीकम होता है। यह उन रूढ़िवादी निवेशकों के लिए आकर्षक फंड होते हैं, जो इक्विटी के समान प्रतिफल प्राप्त करना चाहते हैं।

निवेश दायरा बढ़ाना

जितने समय के लिए आप निवेश रोकते हैं, वह आप पर अस्थिरता के प्रभाव को प्रभावित करता है। लघु अवधि निवेश बाजार के उतार चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि दीर्घ अवधि के लिए किए गए निवेश से इन उतार चढ़ावों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे व्यापक रूप से जोखिम कम होता है।

निवेश दायरा: शोधों से पता चलता है कि प्रतिफल की अस्थिरता लंबी निवेश अवधि के साथ कम होती जाती है। उदाहरण के लिए, 1-6 वर्षों की शुरुआती अवधि के लिए प्रतिफल की अस्थिरता महत्वपूर्ण रूप से उच्च होती है परंतु यह 6 से 7 वर्षों के बाद महत्वपूर्ण रूप से कम भी हो जाती है। यहाँ तक कि उच्च रूप से अस्थिर माइक्रो कैप स्टॉक्स भी निवेश अवधि बढ़ाने पर कम प्रतिफल अस्थिरता दर्शाते हैं।

एसआईपी में निवेश: बाज़ार परिस्थितियों पर ध्यान न देते हुए नियमित रूप से निवेश भी अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है। यह योजनाएं भाव कम होने पर अधिक शेयर खरीदने और भाव बढ़ने पर कम शेयर खरीदने की स्वतंत्रता देती हैं, जिससे कि समय के साथ साथ खरीद की लागत औसत होती जाती है।

बाज़ार रुझानों पर कम ध्यान देना

बाज़ार के लघु अवधि के रुझानों पर ध्यान देने से अस्थिरता का प्रभाव व नुकसान, दोनों की मात्रा अधिक हो सकती है। इसके स्थान पर, एक दीर्घ-अवधि निवेश रणनीति पर ध्यान दें और बाज़ार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें।

मार्केट टाइमिंग जोखिम: शोध से पता चलता है कि ऐसेट आवंटन निर्णय मार्केट टाइमिंग या व्यक्तिगत सिक्युरिटी चयन की तुलना में दीर्घ अवधि निवेश प्रदर्शनों को अधिक प्रभावित करते हैं। इसलिए, अच्छी सोची समझी एसेट आवंटन रणनीति मार्केट टाइमिंग के अनुसार निर्णय लेने के मुकाबले बेहतर परिणाम दे सकती है।

सामयिक पोर्टफोलियो समीक्षा

नियमित रूप से पोट्फोलीओ की समीक्षा अनिवार्य है, परंतु अपने निवेशों की समीक्षा बार बार करने से बचना भी महत्वपूर्ण है। अधिक बारसमीक्षा करने से भावनात्मक निर्णय लेने की संभावना बढ़ जाती है और अस्थिरता से प्रभावित होने की भी।

समीक्षा आवर्तन: आवधिक समीक्षा, जैसे त्रैमासिक या अर्द्धवार्षिक, की सलाह दी जाती है। यह तरीका दीर्घ अवधि लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए मदद करता है और लघु अवधि उतार चढ़ाव के कारण होने वाली चिंता कम कम करता है।

निष्कर्ष: स्टॉक बाज़ार में अस्थिरता का प्रभाव कम करने की रणनीतियों में जानकारी युक्त निर्णय लेना, निवेश का विविधीकरण, निवेश दायरा बढ़ाना, बाज़ार रुझानों पर ध्यान न देना, पोर्टफोलियो की सामयिक समीक्षा और लो-वॉलेटिलिटी फैक्टर फंडों पर ध्यान देना शामिल है। इन रणनीतियों को अपनाकर, बाज़ार में निवेश कर सकते हैं।

(लेखक पैसिव फंड व्यवसाय, मोतीलाल ओसवाल एएमसी के प्रमुख हैं)

कई म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशक कर दिए मालामाल

23 स्कीमों में एक साल में मिला 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न
क्वांट वैल्यू फंड 75.85% रिटर्न के साथ पहले स्थान पर रहा
क्वांट मिड कैप फंड 74.72% रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

इस साल म्यूचुअल फंड की स्कीमों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इन स्कीमों ने 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड की 23 स्कीमों ने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण में 249 इक्विटी म्यूचुअल फंडों को शामिल किया गया था, जिन्होंने बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले दो फंड क्वांट म्यूचुअल फंड के थे। इसमें क्वांट वैल्यू फंड सबसे ऊपर रहा, जिसने पिछले एक साल में 75.85 फीसदी रिटर्न दिया। इसी अवधि में क्वांट मिड कैप फंड ने 74.72 फीसदी रिटर्न दिया। आईटीआई मिड कैप फंड ने पिछले एक साल में 72.53 फीसदी रिटर्न दिया। बंधन स्मॉल कैप फंड और जेएम मिडकैप फंड ने इसी अवधि में 71.45 फीसदी और 70 फीसदी रिटर्न दिया। क्वांट स्मॉल कैप फंड और महिंद्रा मनुलाइफ स्मॉल कैप फंड ने एक साल में 66.42% और 66.04% रिटर्न दिया। जेएम म्यूचुअल फंड की दो स्कीमों-जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और जेएम वैल्यू फंड ने पिछले एक साल में 64.40% और 64.23% रिटर्न दिया। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने इसी अवधि में 60.98% रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड से इसी अवधि में 60.89% और 60.79% रिटर्न मिला। ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी की सबसे बड़ी स्कीमों ने पिछले एक साल में 60% से ज्यादा रिटर्न नहीं दिया है।

पांच क्वांट म्यूचुअल फंड

बेहतर रिटर्न देने वाली इन 23 स्कीमों में से पांच क्वांट म्यूचुअल फंड और तीन-तीन जेएम म्यूचुअल फंड और एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की हैं। दो-दो महिंद्रा मनुलाइफ म्यूचुअल फंड और आईटीआई म्यूचुअल फंड से हैं। एक-एक स्कीम बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड से हैं।

बाकी का कैसा प्रदर्शन

बाकी 226 इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने पिछले एक साल में 18.86% और 59.90% के बीच रिटर्न दिया। एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड ने इसी अवधि में 55.10% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा मिड कैप फंड है। प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़े ईएलएसएस फंड एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले एक साल में 29.48% रिटर्न दिया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने इसी अवधि में 36.83% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा फ्लेक्सी कैप फंड है।

सभी कटेगरी शामिल दे रही बढ़िया मुनाफा

विश्लेषण में सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी जैसे लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड कैप, लार्ज एंड मिड कैप, स्मॉल कैप, फोकस्ड फंड, ईएलएसएस, मल्टी कैप, वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड शामिल किए गए थे। हालांकि यह ध्यान रखें की विश्लेषण के आधार पर निवेश या निकासी के फैसले नहीं लेने चाहिएं। निवेश का कोई भी फैसला लेने से पहले हमेशा अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, निवेश की अवधि और लक्ष्य पर विचार करना चाहिए। इसके बाद ही निवेश के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। हर साल में अलग-अलग म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले बाजार के बारे में जानकारी जुटा लें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी और रिस्क भी खत्म होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करना लाभकारी माना गया है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आरगेट लंबा रखें, तभी अच्छा मुनाफा मिल सकेगा।

इन स्कीमों का दमदार प्रदर्शन

स्कीम	रिटर्न (%)
क्वांट वैल्यू फंड	75.85
क्वांट मिड कैप फंड	74.72
आईटीआई मिड कैप फंड	72.53
बंधन स्मॉल कैप फंड	71.45
जेएम मिडकैप फंड	70.00
क्वांट लार्ज एंड मिड कैप	68.10
बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप	67.21
आईटीआई स्मॉल कैप फंड	67.02
क्वांट स्मॉल कैप फंड	66.42
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड	66.04
इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड	65.02
जेएम फ्लेक्सीकैप फंड	64.40
जेएम वैल्यू फंड	64.23
एचएसबीसी मिडकैप फंड	64.21
आईसीआईसीआई प्रू मिडकैप फंड	62.74
महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड	62.48
क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड	61.57
एचएसबीसी वैल्यू फंड	61.20
निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड	61.07
कोटक मल्टीकैप फंड	60.98
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	60.98
मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड	60.89
एचएसबीसी मल्टी कैप फंड	60.79

खबर संक्षेप

सामाजिक कार्यों से बढ़कर पुण्य का कार्य नहीं : घसौला

चरखी दादरी। हरियाणा माइनिंग क्रेशर एसोसिएशन प्रधान सोमवीर घसौला व उनकी टीम द्वारा यही प्रयास किया जा रहा है कि क्षेत्र में अधिक से अधिक सामाजिक कार्यांर् में सहभागिता की जा सके। इसके तहत वो लगातार विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक व सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के दौरान पहुंच कर यथा संभव सहयोग कर रहे है। गांव बडराई में कबीर जयंती अवसर पर आयोजित कायक्रम के दौरान पहुंच कर 21000 की राशी भेंट करते हुए संत को श्रद्धासुमन अर्पित की।

नेहरू के बाद इंदिरा ने संभाली थी विरासत

भिवानी। भाजपा नेत्री किरण चौधरी ने हनुमान जोहड़ी मंदिर में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों के समक्ष कांग्रेस सांसद जेपी के 'देश पुरुष चलाता है, बंसीलाल की विरासत किरण की नहीं' के बयान पर पलटवार किया। किरण चौधरी ने कहा कि सांसद जेपी ने बहन बेटियों के प्रति औच्छा बयान देकर तुच्छ मानसिकता दशाई है। वह सांसद से पूछना चाहती है कि ज्वाहर लाल नेहरू के बाद इंदिरा ने, राजीव गांधी के चले जाने के बाद सोनिया ने विरासत संभाली थी। सोनिया गांधी ने अच्छी तरह से कार्य किया। उन्होंने उक्त बयान देकर अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ बोल दिया। जिनको यह पता नहीं कि वे अपने मुंह से क्या बोल रहे है।

महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यशाला आयोजित

चरखी दादरी। कमोद गांव में वन स्टॉप सेंटर के लीगल काउंसलर प्रवीण फौगाट ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में महिला किसानों के लिए मजबूत कृषि तकनीक व पशुपालन को बढ़ावा देना व महिलाओं व बच्चों के बचाव और सुरक्षा के विषय पर विस्तार से कानूनी जानकारी दी गई। अधिवक्ता प्रवीण फौगाट ने महिला सशक्तिकरण व वन स्टॉप सेंटर द्वारा एक ही छत के नीचे किसी भी उम्र की पीड़ित महिलाओं को मुफ्त दी जाने वाली कानूनी सहायता, मनो सामाजिक परामर्श, चिकित्सा सहायता, पुलिस सहायता, पांच दिन का अस्थाई आवास व अन्य आपातकालीन सुविधाओं आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शिवाजी के राज्याभिषेक का स्थापना दिवस मनाया

चरखी दादरी। विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा चंपापुरी स्थित आर्य हिन्दी संस्कृत महाविद्यालय में 350वां छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्य अभिषेक स्थापना समारोह मनाया गया। समारोह में आर्य हिन्दी संस्कृत महाविद्यालय गुरूकुल के आचार्य प्रवीण योगी का सानिध्य रहा। परिषद् की जिला अध्यक्ष रोशनी शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया तो वहीं माल्यार्पण परिषद् के जिला मंत्री सीताराम कौशिक व सह.मंत्री जगन्नाथ धनेटियाए धर्म जागरण के जिला संयोजक संदीप छपारिया द्वारा किया गया। तिलक अभिषेक बजरंग दल के जिला संयोजक अमित कुमार ने किया।

सफाई कर्मचारियों को पड़े वेतन के लाले

भिवानी। शहर को गंदगी मुक्त करने वाले कर्मचारी को इन दिनों रोजी रोटी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि जिस कूड़ा उठान एजेंसी के तहत वे कार्य कर रहे हैं। वे एजेंसी संचालक उनका वेतन पिछले काफी लंबे अर्से से नहीं दे रहे। इससे उन्हें आर्थिक संगठन से गुजरना पड़ रहा है। यह मांग पत्र उन्होंने सांसद धर्मबीर सिंह व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए वेतन दिलवाने की गुहार लगाई है। इस अवसर पर हरीश, रोहित, मोनू,सन्नी,राजेश, प्रीति, सुभाष, अमन, सतेवान, संदीप, अरूण आदि का कहना है कि वे पिछले काफी लंबे अर्से से सफाई एजेंसी के तहत शहर को गंदगी मुक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं। वे अपने कार्य को बड़ी बेखुबी एवं ईमानदारी से निभा रहे हैं। इसके बावजूद भी एजेंसी संचालक उनका वेतन नहीं दे रहा।

गुरु हरगोबिंद ने मीरी व पीरी नाम से धारण की थी दो तलवारें: सिंह

बड़ी धूमधाम से मनाया सिखों के छठे गुरु हरगोबिंद साहिब का प्रकाशोत्सव

मुख्य गुरूद्वारा सिंह सभा घंटाघर व पुरानी देवसर चुंगी में मनाया प्रकाश पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। श्रीगुरू ग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास लगाते श्रद्धालु व श्रीगुरू ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेकते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

मुख्य गुरुद्वारा सिंह सभा घंटाघर एवं पुरानी देवसर चुंगी संगत की ओर से सिक्खों के छठे गुरु गुरु हरगोविंद साहिब का प्रकाश पर्व को बड़ी धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर सुखमनी साहिब पाठ के भोग डाले गए। इसके उपरांत गुरु का लंगर लगाया, जिसमे विशेष तौर पर मिस्सी रोटी, लस्सी एवं मीठी चटनी को बरताया। गुरुद्वारा सिंह सभा के मुख्यग्रंथी जसवंत सिंह ने कीर्तन के माध्यम से गुरुजी द्वारा बताए रास्ते पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने बताया गुरु हरगोबिंद सिंह का जन्म 1595 बडाली गांव में श्रीगुरु अर्जुनदेव के घर पर हुआ था। उन्होंने 11 वर्ष की आयु में ही अपने पिता से गुरु गद्दी की उपाधि प्राप्त की। गुरुजी ने मीरी व पीरी नाम से दो तलवारें धारण की। पीरी नाम की तलवार आध्यात्मिक रक्षा और पीरी नाम की तलवार सैन्य शक्ति के लिए धारण की। इससे सिखों की शक्ति में जबरदस्त उछाल आया। गुरु हरगोबिंद सिंह ने सिख धर्म के लिए बहुत सी लड़ाईयां लड़ी। गुरु हरगोविंद ने अकाल तख्त का निर्माण किया। छठे गुरु श्रीगुरु हरगोबिंद साहिब निष्ठा, निःस्वार्थ सेवा, बहादुरी और त्याग के प्रतीक थे। गुरु हरगोबिंद साहिब के संदेश हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। गुरु हरगोबिंद ने मानवता के कल्याण, धर्मनिरपेक्षता, आपसी भाईचारे के लिए काम किया।

उनके संदेश हमें सही रास्ते पर चलने का देते रहेंगे प्रेरणा

उन्होंने कहा कि गुरू हरगोबिंद सिंह का संदेश हमें सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरणा देते रहेंगे, उनकी याद में गुरुद्वारा में पाठ, कीर्तन व लंगर का आयोजन किया। लंगर में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधान इंद्रमोहन सिंह, बाबा सुभाष सिंह, कमलदीप सिंह, अमरजीत कौर, सुखबीर सिंह, प्रधान पुरानी देवसर चुंगी प्रेम मुटरेजा, ज्ञानसिंह बागड़ी, मनप्रीत कौर, पूजा कौर, लवप्रीत सिंह, हरबंस कौर, सुमन चावला, सुदेश सिंह आदि श्रद्धालुगण मौजूद थे।

लोहारू खंड के लोगों ने उत्साहपूर्वक मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर लोहारू खंड के लोगों में काफी उत्साह दिखाई दिया। उपमंडल स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम चौ देवीलाल खेल स्टेडियम में मनाया गया। वहीं लोहारू जीआरपी चौक परिसर, लोहारू कोर्ट परिसर और सोहांसरा सहित अनेक गांवों में युवाओं ने सुबह सुबह योगाभ्यास किया और योग दिवस की बधाई दी। एसडीएम अमित कुमार की अध्यक्षता में लोहारू के चौ देवीलाल खेल स्टेडियम में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में आयुष विभाग के योगाचार्यों ने योगाभ्यास करवाया। एसडीएम ने कहा कि योग शारीरिकए मानसिकए नैतिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनने का मूल मंत्र है। यह मन, आत्मा और शक्तियों का आत्मबोध कराने का कारगर रास्ता है। योग कला, विज्ञान और दर्शन का बेजोड़ उदाहरण है।

योग का महत्व बताया

योग में समूची मानवता को एकजुट करने की अद्भुत शक्ति है। जब योग जीवन का हिस्सा हो जाता है तो आयुए विद्याए यश और बल बढऩे लगते हैं। कार्यक्त्रम में समाज सेवी रमेश कौशिक ने स्कूली विद्यार्थियों को अंचा देवी मेमोरियल ट्रस्ट के माध्यम से 250 टीशर्ट भी उपलब्ध करवाई। कार्यक्रम में जिला परिषद वाइस चेयरपर्सन सुनीता जांगड़ा, संजय जांगड़ा, बीईओ विजय प्रभाए समाजसेवी रमेश कौशिकए डीपीई विनोद बॉक्सरए प्रदीप सैनी सहित स्कूली विद्यार्थियों और गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। उधर सोहांसरा में योग दिवस के मौके पर सरपंच राजकुमार, योगाचार्य धर्मवीर, मा राजेश डांगी,मा. अमित,, रतन सिंह, कमल होलदार, मा संदीप मिश्रा, नेहरू युवा केंद्र भिवानी ब्लॉक लोहारू से प्रदीप सोहांसडा, विकास, नरेंद्र, जसबीर, संजीव, अमन प्रजापत, सहित अनेक लोगों ने योगाभ्यास किया और योग का महत्व बताया।

जीआरपी चौकी और कोर्ट परिसर में मनाया योग दिवस

स्थानीय जीआरपी चौकी परिसर में इंचार्ज कैलाश चंद शर्मा के नेतृत्व में चौकी स्टाफ सदस्यों और गणमान्य लोगों ने योग का अभ्यास किया। वहीं चौकी इंचार्ज ने लोगों ने नियमित योग करने का आह्वान किया। इसके अलावा स्थानीय न्यायिक परिसर में बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान विनोद श्योराणए अधिवक्ता मनोज ठोलिया, अधिवक्ता अरुण शर्मा, सन्दीप वर्मा, राज किशोर शर्मा, टीटू गगन राम, सुभाष चन्द्र, दिनेश कुमार व जोगिंदर आदि उपस्थित रहे।

बीके स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बीकेवमावि में योग करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बवानी खेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के खेल परिसर में गत वर्षोंर् की भांति दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हरियाणा आयुष एवं योग.आयोग विभाग द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में घनश्याम सर्राफ , एमएलए भिवानी ने शिरकत की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में सुंदर अत्री, नवीन गक्खड़, रामगोपाल सैनी, जगन्नाथ मेहता,हिम्मत सिंह तंवर एवं मुकेश गुप्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। योग शिक्षक नवीन कुमार,अनिल कुमार, सुमित्रा देवी एवं सीमा देवी ने मौजूद लोगों को योगआसन करवाए। खेल परिसर में लगभग 500 विद्यार्थी एवं आमजन मौजूद रहे। विभिन्न गाँवों, स्कूलों एवं सामाजिक संगठनों ने योग शिविर में बढ़.चढ़ कर भाग लिया। कुंगड़ योग अकादमी के विद्यार्थियों ने मंच पर योग कला का प्रदर्शन किया। विधायक ने विद्यार्थियों की योग कला की प्रशंसा की और प्रत्येक विद्यार्थी को प्रोत्साहन राशि प्रदान कि गई। मुख्य अतिथि घनश्याम सर्राफ ने बताया कि आध्यात्मिक तथा योग साधना से मन तथा मस्तिष्क को सन्तुलित करने में सहायता मिलती है। सही तरिके से योग साधना एवं ध्यान लगाने से इच्छा शक्ति एवं आत्मविश्वास बढ़ता है। आयुष विभाग भिवानी से डॉ. राजेन्द्र, डॉ. अमित, डॉ. संदीप ने विभाग कि तरफ से सभी योगकर्ताओं को टी.शर्ट एवं फल वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने बताया की योग हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। योग से ही हमारे दिन की शुरुवात होनी चाहिए।

आनंद स्कूल में मनाया योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में योग मनाते हुए।

मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस प्रांगण मे स्कूल स्टाफ द्वारा विश्व योग दिवस मनाया गया । योग दिवस पर प्राचार्य नितीश मिश्र ने सभी स्कूल स्टाफ को योग और प्राणायाम के बारे में विस्तार से बताया और अभ्यास करवाया। प्राचार्य ने बताया कि प्राणायामत्रप्राण आयाम शब्द से मिलकर बना है। इसका शाब्दिक अर्थ है. प्राण या श्वसन को लम्बा करना। प्राणायाम योग के आठ अंगों में से एक है। अष्टांग योग में आठ प्रक्त्रियाएँ होती हैं. यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, तथा समाधि। इसके साथ साथ कुछ प्रणायाम जैसे भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति प्राणायाम, बाह्य प्राणायाम, अनुलोम.विलोम प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम, उद्गीथ प्राणायाम आदि करवाए। योग शिक्षिका जया रानी ने विभिन्न आसन व प्रणायम की प्रस्तुति की। सूर्य नमस्कार 12 चरणों में किया जाने वाला आसन है जिसमें प्रणामासन, हस्त उत्तानासन, हस्तपादासन, अश्व संचलानासन, अधो मुख श्वानासन, पर्वतासन, अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन, पर्वतासन करवाया।

भिवानी। विश्व योग दिवस पर योग करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह: जीबीटीएल लिमिटेड, भिवानी में भव्य आयोजन

भिवानी। जीबीटीएल लिमिटेड, भिवानी में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक उषा शर्मा के नेतृत्व में योग सत्र से हुई, जिसमें विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। जीबीटीएल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कौशल तंवर ने योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों पर जोर दिया। इस अवसर पर संस्था के प्रमुख अधिकारी गण से राजकुमार शर्मा, ईशा वालिया, सचिन सिंह, अनुप सिंह, रत्तन सिंह, वीरेंद्र सिंह, प्रवीन कुमार और इंद्रीजीत सिंह भी कार्यक्रम का संचालन किया। राजकुमार शर्मा ने समारोह में उपस्थित सभी 150 प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए योग के महत्व पर एक प्रेरणादायक भाषण दिया।

कांग्रेस नेताओं को नसीहत देने वाले नेता स्वयं के राजनीतिक भविष्य की करें चिंता : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- पूर्व सीएम व प्रदेश अध्यक्ष की दूरदर्शी सोच के चलते लोस चुनाव में हरियाणा कांग्रेस ने जीती 5 सीटें
- भाजपा नेत्री कांग्रेस में थी तो हमेशा से कांग्रेस के ही उम्मीदवारों को हराने का काम किया

बीते रोज एक भाजपा नेत्री द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर अपने गिरेबान में झांकने के ब्यान पर पलटवार करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक कादियान ने कहा कि ऐसे नेताओं को कांग्रेस पर कटाक्ष करने की बजाए खुद के राजनीतिक भविष्य की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उक्त भाजपा नेत्री कांग्रेस में थी तो भीतरघात कर हमेशा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अपनों से ही गद्दारी का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उक्त भाजपा नेत्री कांग्रेस में थी तो हमेशा से कांग्रेस के ही उम्मीदवारों को हराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का इतिहास रहा है कि जब इनका राजनीतिक स्वार्थ पूरा नहीं तो एक क्षण में दल बदल लेते है।

कादियान ने कहा कि लोस चुनाव में कांग्रेस ने हरियाणा में जो 5 सीटे जीती,वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिह हुड्डा व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम था। उन्होंने कहा कि यदि उस भी कांग्रेस के ही कुछ नेता भीतरघात नहीं करते तो लोकसभा चुनाव में हरियाणा कांग्रेस 5 की जगह 7 सीटें भी जीत सकती थी। कादियान ने दावा किया कि वर्ष 2024 में प्रदेश में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी, जिसके बाद प्रदेश का चहुमुखी विकास होगा।

पर्यावरण संरक्षण को आदत में डालने की जरूरत: पवन

भिवानी। जन्मदिन एक बहुत ही खुशी का मौका होता हैं और ये खुशी चार गुना हो जाती है जब हम इसे पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ देते है। इसी प्रकार जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का कार्य करते हुए तथा विश्व वर्षावन दिवस के उपलक्ष्य में गांव ढ़ाणीमाहू निवासी आकाश ने अपने जन्मदिन को पौधरोपण करके मनाया। आंबेडकर युवा क्लब के पूर्व प्रधान पवन मेहरा के नेतृत्व में गांव में आकाश ने जन्मदिन पर पांच पौधें लगाए।

चेयरपर्सन ने 14 गांवों में वितरित किए टैंकर

तोशाम। कैरू ब्लॉक के 14 गांवों में जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि जोगिंद्र मलिक ने पानी के 14 टैंकर वितरित किए और आने वाले समय में अन्य पंचायतों को भी टैंकर दिए जाने का आश्वासन दिया। मलिक ने कहा कि अनीता मलिक तोशाम का विकास करवा रही हैं। तोशाम हलके का बाहरवाला या दिल्ली वाला विकास नहीं करवा सकता। इस दौरान कैरू खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में जिप की ओर से जिला पार्षद वार्ड 15 व 16 के देवराला, धारवानवास, खारियाबास, लेघा हेतवान, टीटानी, लोहानी, केहरपुरा, कुसम्भी, कैरू क, ख, ढांगर, जुई खुर्द, ढाब ढाणी, भानगढ़ समेत 14 पानी के टैंकर गांवों में उपलब्ध करवाए। जिला पार्षदों की मांग पर जिप चेयरपर्सन मलिक ने टैंकर देकर ग्रामीणों को अच्छी सौगात दी।

चौधरी बंसी लाल विवि में मनाया गया योग दिवस

- कुलपति और कुलसचिव ने किया कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों संग किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। सीबीएलयू में योग करते हुए।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग विभाग,एनएसएस सेल एवं क्त्रीड़ा भारती के संयुक्त तत्वावधान में योग महोत्सव मनाया गया। योग महोत्सव का आयोजन 12 जून से 21जून तक संचालित किया गया। योग महोत्सव में कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी एवं कुलसचिव डॉ ऋतु सिंह ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों संग योगाभ्यास किया। योग महोत्सव के संयोजक डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मलिक थे। बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। आज सम्पूर्ण विश्व भारत के योग का अनुसरण कर इसे अपनाया है और इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने में योग की अहम भूमिका रहेगी।

एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने सरकार से की पीपीपी को तुरंत वापस लेने की मांग

तोशाम। एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने प्रदेश सरकार से मांग की कि परिवार पहचान-पत्र (पीपीपी) की स्कीम को मुक्कमल तौर वापस लिया जाए। एसयूसीआई कम्युनिस्ट के जिला सचिव कामरेड रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि परिवार पहचान पत्र बनाने के पीछे सरकार की जो दलीलें है, वे पूर्णतया थोथी है। सरकार ने परिवार पहचान पत्र को परिवार की आय के साथ जोड़ रखा है, जबकि परिवार के सदस्यों की विशेष तौर पर किसान, ध्याड़ी मजदूरी, कच्ची नौकरी करने वालो की आय निश्चित नहीं है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण वास्तविक आमदनी लगातार कम हो रही है, इसलिए आय से जोड़कर गरीब किसान मजदूरों को सरकारी नीतियों से मिलने वाले हित लाभ से वंचित करने का नाम ही परिवार पहचान पत्र है, जिसे किसी भी तरह जायज नहीं ठहराया जा सकता। जिला कमेटी सदस्य एडवोकेट बस्तीराम ने कहा कि जनजीवन का इस स्कीम से कोई वास्ता नहीं है, जनता को दुःखी करने के अलावा इसका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने बताया कि एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने परिवार पहचान पत्र को रद करवाने के लिए प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाने का फैसला लिया है।

सीपीआर एवं प्राथमिक सहायता का दिया प्रशिक्षण

- रेडक्रॉस ने निमड़ीवाली पॉवर ग्रिड में लगाया प्राथमिक उपचार सहायता प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। गांव नीमड़ीवाली के पावर ग्रिड में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियो को प्राथमिक सहायता की जानकारी देते जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार।

आमतौर पर सभी फैक्ट्रियों व अन्य कार्य संस्थानों में प्राथमिक उपचार किट होती है, ताकि दुर्घटना के समय घायल को प्राथमिक उपचार देकर उनका जीवन बचाया जा सके, लेकिन कई बार ऐसा भी देखने में आता है कि कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार देने की जानकारी न होने के चलते कर्मचारी चाहकर भी घायल का प्राथमिक सहायता नहीं दे पाते, ऐसे में औद्योगिक इकाईयों के कर्मचारियों को प्राथमिक सहायता की जानकारी देने के लिए रेडक्रॉस अध्यक्ष एवं उपायुक्त नरेश नरवाल के मार्गदर्शन एवं रैडक्रॉस सचिव प्रदीप के निर्देश पर विभिन्न औद्योगिक इकाईयों में प्राथमिक सहायता शिविर लगाए जा रहे है। शनिवार को रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा शनिवार को गांव नीमड़ीवाली प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया।

हार्ट अटैक की घटनाएं अधिक घट रही

सचिव रेडक्रॉस प्रदीप ने कहा कि आजकल हार्ट अटैक की घटनाएं अधिक घट रही है, ऐसे में सीपीआर का ज्ञान जीवन को बचाने में संजीवनी बूटी का काम करता है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस एवं सेंट जान एंबुलेंस के माध्यम से एक ओर जहां परिचालक लाइसेंस धारको के लिए प्रोफेशनल ट्रेनिंग रेडक्रॉस भवन में दी जाती है, तो दूसरी तरफ शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण करवाया जा रहा।

प्राथमिक उपचार व सीपीआर की ट्रेनिंग की आवश्यकता

वरिष्ठ महाप्रबंधक एसपी कार ने कहा कि जिला प्रशासन एवं रेडक्रॉस सोसायटी का समय-समय पर उन्हें सहयोग मिलता रहता है तथा रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, प्राथमिक उपचार व सीपीआर की ट्रेनिंग की आवश्यकता होती है, हमेशा तत्पर रहते है। इस अवसर पर रविंद्र कुमार डीजीएम सब स्टेशन सेफ्टी ऑफिसर, हित 30 से अधिक कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

योग केंद्र के खिलाड़ियों ने किया बेहतर योग प्रदर्शन

भिवानी। भीम स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में कायाकल्प योग केंद्र के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। जिला आयुष विभाग के अधिकारियों ने योगा खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा, योग विशेषज्ञ डॉ. नीशा, जिला योग कोर्डिनेटर डॉ संजय वैद्य, डॉ प्रीति शर्मा, आयुष योग सहायक कविता व कायाकल्प योग केंद्र की कोच रेनु वर्मा मौजूद रहे। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा ने जिलास्तर पर आयोजित योग कार्यक्रम में कायाकल्प योग केंद्र के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। डॉ रश्मी शर्मा ने कहा कि योगा के माध्यम से खिलाड़ियों ने गजब के संतुलन और योग से निरोग रहने का बेहतरीन संदेश दिया है।

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

-:विवाह सूचना का प्रकाशन:-

क्रमांक क/ /वाचक/अति-कले/2024

बिलासपुर, दिनांक 18.06.2024

श्री महेश रामानन्द शर्मा आत्मज स्व. रामानन्द शर्मा (माता श्रीमती दर्शना देवी) उम्र 34 वर्ष निवासी 159 वार्ड नंबर 10 सिवानी थाना व तहसील सिवानी, जिला-भिवानी (हरियाणा) पिन-127046

एवं

कुमारी मिनी ठाकुर आत्मजा स्व. प्रताप सिंह ठाकुर, माता स्व. तिलेश्वरी ठाकुर (संरक्षक बड़ी बहन-डॉ. नोलेश ठाकुर) उम्र 36 वर्ष निवासी 15/302, जब्बल गली 03 नेहरू नगर थाना सिविल लाईन तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. द्वारा विशेष विवाह अधिनियम-1954 की धारा-5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में दिनांक 25.07.2024 को प्रातः 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

हस्ता/-(आर.ए.करूवंशी)

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी,

बिलासपुर छ.ग.

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने संत शिरोमणि कबीरदास को किया नमन

कवि एवं महान समाज सुधारक संत कबीरदास ने अपनी लेखनी से समाज को किया जागरूक

संत कबीरदास ने समाज में व्याप्त रूढ़ियों व अंधविश्वासों पर किया करारा व्यंग्य: सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। संत शिरोमणि कबीरदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करते पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल व अन्य गणमान्य लोग। *फोटो: हरिभूमि*

भारत के प्रसिद्ध कवि एवं महान समाज सुधारक संत कबीरदास महाराज ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव के खिलाफ जनजागरण पैदा करने का अथक प्रयास किया, ये बात पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने संत कबीरदास महाराज के प्रकट दिवस पर शनिवार को सैक्टर-13 में आयोजित कार्यक्रम में संत कबीरदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित करने उपरांत उपस्थित लोगों को कही।

उन्होंने कहा कि संत कबीरदास महान कवि होने के साथ ही एक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने समाज में व्याप्त रूढ़ियों तथा अंधविश्वासों पर करारा व्यंग्य किया है। संभ्रवाल ने कहा कि धर्म का संबंध सत्य से जोड़कर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परंपरा का खंडन किया है। संत कबीरदास महाराज की शिक्षाओं से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के लिए ऐसे कार्यक्रम सराहनीय है, जिनका समय-समय पर आयोजन जरूरी है। संभ्रवाल ने कहा कि महापुरूषों की स्मृति में कार्यक्रमों का उद्देश्य उनकी शिक्षाओं को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है, ताकि वे भी राष्ट्रहित में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

संत कबीरदास की शिक्षाओं को अपनाएं

संभ्रवाल ने कहा कि संत कबीरदास महाराज की शिक्षाओं पर को अपनाकर ही समाज से बुराई को दूर किया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी भूमिका अदा करने का आह्वान किया। आज हम पर्यावरण का संरक्षण करने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे, तभी आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ पर्यावरण का लुत्फ उठा पाएगी। इस अवसर पर मास्टर दीपक, मास्टर कर्ण, निवास, विरेंद्र मिंटू, रोहित, संदीप, कपिल, आरिफ, पुनीत आदि मौजूद रहे।

कबीर जयंती पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

चरखी दादरी। कबीर जयंती अवसर पर माडल दादरी जिला बनाओ संगठन द्वारा नीमली, कालियावास व खेडी में मेडिकल कैंप व रक्तदान शिविर लगाए गए। इस कडी के 887वां रक्तदान व 915, 916वां मेडिकल कैंप रहे। अध्यक्षता ओमप्रकाश श्योराण, गोपी चंद, सुनील सनसनवाल ने की। मुख्य अतिथि ओमप्रकाश बोरा, अतर सिंह, दलबीर सिंह रहे। विधिवत आरंभ करवाते हुए संगठन के कामों की तारीफ की गई। एम्स बाढसा के चिकित्सकों व सहयोगियों ने कुल मिलाकर 44 यूनिट रक्त का एकत्रण किया व रक्तदाताओं का बैज लगाकर हौसला बढाते हुए उनके बीच प्रमाण पत्रों का वितरण हुआ। आई केयर व आई क्यू की टीम ने 189 लोगों के नेत्र व सामन्य बीमारियां जांची दवा वितरण हुआ। चिकित्सकों स्वाती व संतोष तथा अन्यों ने सेवा दी।

संत शिरोमणि कबीरदास बाल्यावस्था से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे : धर्मबीर सिंह

- संत कबीरदास ने भक्ति एवं कविता से बाह्य आडंबर पर किया प्रतिघात : सांसद
- सांसद ने एससी-ए वर्ग का आरक्षण लागू करवाने की केंद्र सरकार तक पहुंचाने का दिया आश्वासन
- संत कबीरदास के प्रकट दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद धर्मबीर सिंह व मंचासीन अन्य अतिथि।

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के जीवन के कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र छिपे हैं। इन सूत्रों को जीवन में उतार लेने से हम सभी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। संत कबीरदास की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न संगठनों ने संयुक्त रूप से स्वामी जीतू धानक समाज कल्याण सेवा समिति के बैनर तले संत शिरोमणि कबीरदास के 627वें प्रकट दिवस पर हनुमान गेट स्थित जीतू पतित पावन पाठशाला में कार्यक्रम का आयोजन किया। स्वामी जीतू धानक कल्याण सेवा समिति के महासचिव प्रदीप किराड़ ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि भिवानी-महेंद्रगढ़ से लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह, डीपी वत्स तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश सचिव रेणु डाबला ने शिरकत की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता साधुराम इंदौरा ने की। अतिथियों ने संत कबीरदास के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके उपरांत उनकी बताई शिक्षाओं पर चलकर राष्ट्रहित में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम से पूर्व शहर में प्रभात फेरी भी निकाली गई। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि संत कबीरदास भक्ति आंदोलन के समकालीन थे। संत कबीरदास बाल्यावस्था से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे, भक्ति आंदोलन का प्रभाव कबीरदास पर व्यापक रूप से पड़ा। सांसद ने अनुसूचित जाति वर्ग-ए का आरक्षण केंद्र सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। पूर्व सांसद डीपी वत्स व भाजपा प्रदेश सचिव रेणु डाबला ने कहा कि अपने जीवनकाल में कबीरदास ने कई रचनाएं की हैं। इस अवसर पर प्रधान राजेश डाबला, राजकुमार सोलंकी, बबलू डाबला, सुरेश किराड़, मदन डाबला, अजीत किराड़, भगवानदास कालिया, अनिल पेंटर, अनिल डाबला, सुशील किराड़, विजेंद्र किराड़ व मनोज डाबला आदि मौजूद रहे।

संत कबीरदास के दिखाए मार्ग पर चलें युवा: नमन

भिवानी। गांव जताई में संत कबीरदास की 626वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि पूर्वमंत्री स्वर्गीय अमरसिंह धानक के पौत्र नमन धानक पंहुचे। उन्होंने पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि संत कबीर धार्मिक एकता के प्रतिक थे।वह सभी धर्मों को समान महत्व देते थे।नमन धानक ने कहा कि संत कबीरदास मध्यकाल के महान कवि थे। उन्होंने कहा कि सवंत 1455 की पूर्णिमा को संत कबीरदास का जन्म हुआ था। भक्तिकाल के उस दौर में कबीरदास ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार में लगा दिया था। कबीरपंथी इन्हें अलौकिक अवतारी पुरुष मानते हैं, कबीर उनके आराध्य हैं। सुमित नागर ने कहा कि महान संत कबीरदास ने समजा को बुराई से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया। नागर ने कहा कि आज हर युवा को कबीरदास को पढ़ने की जरूरत हैं। इस अवसर पर सुनील जताई, बाबुलाल नागर, हरिओम नागर, बबलु नागर, नीरज आदि उपस्थित थे।

कबीर के दोहों के एक-एक शब्द प्रेरणादायक

भिवानी। संत शिरोमणि कबीर दास उच्च कोटि के महान संत थे संत कबीर का पूरा जीवन समाज में फैले अंधविश्वास, जात.पात व रूढ़िवादी परंपराओं को समाप्त करने के लिए समर्पित रहा, ताकि समस्त समाज का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि कबीर जी के दोहों के एक.एक शब्द प्रेरणादायक है और हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। आज उनकी जयंती के अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक डॉ शिव शंकर भारद्वाज के आवास पर कबीर महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें याद किया गया डॉक्टर शिव शंकर भारद्वाज ने कहा कि उनकी शिक्षाओं में संस्कृति और संस्कार भी है उन्होंने कहा कि संत कबीर सर्वधर्म संभाव के प्रतीक हैं। हमारे देश में विभिन्न जातिए सम्प्रदायों के मानने वाले लोग रहते हैं और सभी के हृदय में भगवान का वास है। इसलिए हमें बिना भेद.भाव के मानवता से प्रेम करना चाहिए।

दान का सच्चा मतलब मन और भाव से : राधे

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। गांव पपोसा में कबीरदास के पदचिन्हों पर चलने के लिए किया प्रेरित। *फोटो: हरिभूमि*

कबीर जयंती के अवसर परए प्रेम शान्ति वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों और समाज सेवी राधे श्याम ने शुद्ध देशी घी का भंडारा आयोजित किया। इस उपलब्धि के पीछे उनका मानना था कि दान का सच्चा मतलब धन से नहींए बल्कि मन और भाव से है।

वे इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के मूल्यों को बढ़ावा देते हुए एक सामाजिक संदेश भी दे रहे थे जिसमें लोगों को आपस में बैर.भावना को छोड़कर एक.दूसरे की टांग खींचने के बजाय सामाजिक कार्यों में सहयोग करना चाहिए। राधे श्याम ने बताया कि हर साल उनके संगठन द्वारा यह परंपरा आयोजित की जाती है। इस अवसर संस्था के प्रधान भगत सिंह ने की कि हमे कबीर साहब के विचारों को प्रतिदिन अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करना चाहिए कबीर महाराज एक दार्शनिक थे जिसने समाज को तार्किक रूप से यह समझाया कि किस प्रकार हमारे कर्म ही हमारे सामने आते हैं हम जैसा करते हैं प्रकृति हमारे साथ वैसा ही करतीहै। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक विक्त्रम ईटकान ने बताया कि हमारे गुरु बहुत ही विद्वान होते थे उनके पास दिन.भिन्न प्रकार की विद्याएं थी लेकिन पश्चिमी सभ्यता बढ़ाने के साथ.साथ हमारी संस्कृति और धरोहर ऐसे नष्ट कर दिए जैसे नालंदा विश्वविद्यालय जलाकर राख कर दिया था इस प्रकार हमारी संस्कृति को अब भी पश्चिमी सभ्यता खत्म करने पर लगी हुई है। हम आज के समय पर बॉलीवुड के नायकों को अपना आदर्श समझते हैं।

संत कबीरदास ने जात-पांत का किया विरोध

- संत कबीरदास की जयंती पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने लगाए 10 पौधें

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पौधरोपण करते नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

कोंट रोड दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर व ढाणा रोड डिस्पोजल पर संत कबीरदास की जयंती के उपलक्ष्य में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने 10 पौधें रोपित किए। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी जेई बिजेश जावला, संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी एवं एएसआई रविंद्र ने कहा संत कबीर दास के दोहे, पद सरल और सहज भाषा में रचे गए थे, जिससे सामान्य जन भी उन्हें आसानी से समझ सकें। संत कबीरदास हिंदू व मुस्लिम दोनों धर्मों की कुरीतियों की आलोचना करते थे और इंसानियत को सबसे ऊपर मानते थे। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास जात-पात, पाखंड, और धार्मिक कट्टरता का विरोध किया।

शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

जावला ने कहा कि संत कबीर जयंती पर पेड़ लगाओ अभियान पर्यावरण संरक्षण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। पेड़ न केवल पृथ्वी की हरियाली बढ़ाते, बल्कि वे अनेक पर्यावरणीय व सामाजिक लाभ भी देते हैं। पेड़ लगाना सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे हम पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। संत कबीरदास की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर हेड कांस्टेबल विनोद, दीपक, पप्पू यादव, विजय,जीत, गोपी मौजूद रहे।

कबीरदास की शिक्षाओं को अपनाएं: मुन्नी देवी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। संत कबीरदास को नमन करते मुन्नी देवी व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

संत महात्मा सर्वसमाज के मार्गदर्शक होते हैं, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए, ये बात भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह की धर्मपत्नी मुन्नी देवी ने संत शिरोमणी कबीरदास की जयंती पर बावड़ी गेट स्थित शिव धानक धर्मशाला में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कही।

समारोह का शुभारंभ कबीर मंदिर में स्थापित संत कबीर महाराज की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने कहा कि हमें संत कबीर महाराज की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। संत कबीर महाराज एक समाजसुधारक थे, उन्होंने अपने जीवन में अनेक कुप्रथाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दैरान उपस्थितजनों को प्रसाद वितरित किया।

समारोह की अध्यक्षता शिव धानक धर्मशाला के प्रधान अनिल डाबला ने की। समारोह में पार्षद हर्षदीप व लालचंद भी उपस्थित रहे।

संत शिरोमणि कबीरदास के दिखाए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

चरखी दादरी। संत शिरोमणी कबीर महाराज की स्वर्ण जयंती पर गांव अटेलाकलां के माता मंदिर आश्रम परिसर में क्षेत्र के धानक समाज ने भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधान 40 गांव धानक समाज राजेंद्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमे पूरे क्षेत्र से धानक समाज के कन्नी प्रधानों व मौजिज व्यक्तियों द्वारा शिरकत करते हुए संत कबीर के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि सांसद धर्मबीर सिंह की पत्नी मुन्नी देवी ने शिरकत की। समाज के लोगों ने उनका स्वागत फूल मालाओं से किया और उन्हें सम्मानित किया।

संत कबीरदास को किया नमन

- संत कबीरदास ने सामाजिक बुराईयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी: डॉ. सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के प्रकट दिवस पर शिक्षा, स्वास्थ्य विकास अभियान द्वारा शनिवार को गांव पपोसा में कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस मौके पर संत कबीरदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शिक्षा, स्वास्थ्य विकास अभियान के संचालक डॉ. सुरेंद्र गोठवाल ने कहा कि भारतीय संत परंपरा के अद्वितीय हस्ताक्षर संत कबीरदास महाराज ने अपने दोहों व रचनाओं से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण कर समाज को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि संत कबीरदास ने हमेशा सामाजिक बुराइयों के खिलाफ चलते हुए शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश दिया। संत कबीरदास महाराज के दोहों के माध्यम से व्यक्ति जीवन जीने की नई राह को पाया जा सकता है। संत कबीरदास ने न केवल सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि दुनिया को मानवता एवं प्रेम का पाठ पढ़ाया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए काई रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

भिवानी। ऑटो मार्केट में त्रिवेणी रोपित करते संदीप जांगड़ा व अन्य पर्यावरण प्रेमी। *फोटो: हरिभूमि*

स्वच्छ पर्यावरण के स्वप्न को पूरा करने को पौधरोपण जरूरी: नेहरा

- ऑटो मार्केट में दो त्रिवेणी रोपित कर संदीप ने उठाई संरक्षण की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

लोहारू रोड स्थित ऑटो मार्केट में शनिवार को विश्वकर्मा बाडी मेकर के संचालक संदीप जांगड़ा ने दो त्रिवेणियों को रोपित किया और त्रिवेणियों के संरक्षण की जिम्मेवारी भी ली। उन्होंने संकल्प भी लिया कि भविष्य में भी उनके द्वारा रोपित किए पौधों के संरक्षण की जिम्मेवारी लेंगे। पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा ने बताया कि पर्यावरण को संतुलित बनाने के लिए प्रत्येक जन को पौधरोपण की मुहिम से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि कई बार लोग पौधरोपण करके भूल जाते है, जिसके चलते देखरेख के अभाव में अधिकत्तर पौधें नष्ट हो जाते है, ऐसे में पर्यावरण संतुलन के स्वप्न को पूरा करने के लिए जरूरी है कि रोपित पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी लें। नेहरा ने संदीप की मुहिम को सराहनीय बताया, इससे प्रत्येक जन को प्रेरणा लेनी चाहिए। इसके उपरांत वे गांव काकड़ौली हुक्मी में पहुंची तथा वहां मंदिर प्रांगण में एक त्रिवेणी व पांच पौधें रोपित कर उनके देखभाल की जिम्मेदारी ग्रामीणों को सौंपी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शंकर नर्सरी संचालक चंद्रमोहन, रामसिंह, प्रीतम, संदीप, संजय, जोगेंद्र, अशोक सहित अन्य पर्यावरण प्रेमी भी मौजूद रहे।

योगाचार्यों व योग साधकों को किया सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाई

- हनुमान जोहड़ी मंदिर में एक माह तक चली योग एवं ध्यान कक्षा का समापन
- भागदौड़ की जिंदगी में तनावमुक्ति का सरल उपाय योग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

22 बीडब्ल्यूएन 3 : योगाचार्यो एवं योग साधकों को सम्मानित करते अतिथिगण।

युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के तत्वावधान हनुमान जोहड़ी मंदिर के स्वामी विवेकानंद सभागार में एक माह तक चली योग एवं ध्यान कक्षा का शनिवार को समापन हो गया। समापन समारोह मे बतौर मुख्यतिथि पूर्वमंत्री एवं तोशाम से विधायक किरण चौधरी ने शिरकत की तथा अध्यक्षता मंदिर के महंत चरणदास महाराज ने की।

एक माह तक योग एवं ध्यान कक्षा में भाग लेने वाले बच्चों, योगाचार्यो को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा कार्यक्रम के दौरान सभी को जल एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलवाई गई। भाजपा नेत्री किरण चौधरी ने कहा कि भारत को ही योग की जन्मभूमि माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व की बदौलत आज भारत को विश्वभर में योग गुरु के नाम से जाना जाने लगा है तथा दुनिया के लगभग सभी देश योग को अपना रहे है।

उन्होंने कहा कि मानव जीवन में योग और ध्यान का बहुत अधिक महत्व है। योग एवं ध्यान से हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण होता है, जो हमारा संपूर्ण रूप से विकास करता है तथा जीवन में सही निर्णय लेने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि योग ना केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ बनाता है, ऐसे में प्रत्येक जन को योग एवं ध्यान क्रिया को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पुजारी ध्यानदास महाराज, परमजीत मड्डू, अमर सिंह, संतलाल शर्मा, विजय सिंहमार, सतेंद्र जेवली, कुलदीप, विजय सैन, मोनिया सैनी, अविनाश शर्मा, डॉ. सुनील भारद्वाज, योगाचार्य डॉ. ओमबीर कौशिक, इशा गर्ग, भावना, मुस्कान, अमित कौशिक, मंजू, विक्रम, सुधीर मलिक, प्रमिला सैनी, हरीश कोच आदि मौजूद रहे।

युवाओं को योग के महत्व से करवाया अवगत

महंत चरणदास महाराज ने कहा कि युवाओं को योग के महत्व से अवगत करवाया, ताकि वे अपने जीवन में योग को अपना स्वस्थ जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान की भागदौड़ की जिंदगी में तनाव से मुक्ति का सरल उपाय योग ही है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट जरूर योग करना चाहिए।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

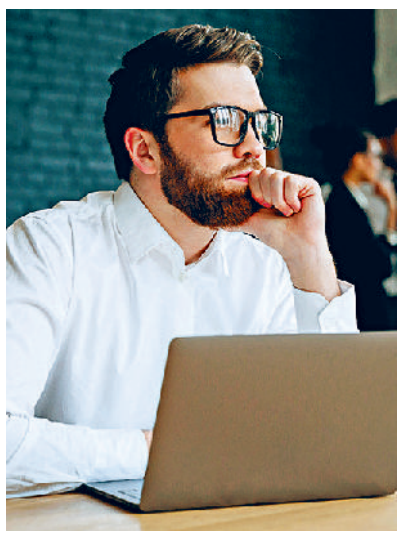

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

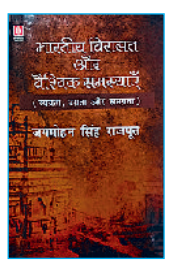

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

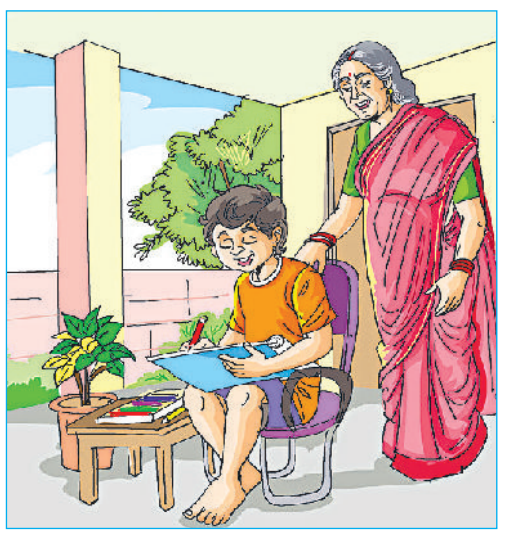

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

{ टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन }

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा। *

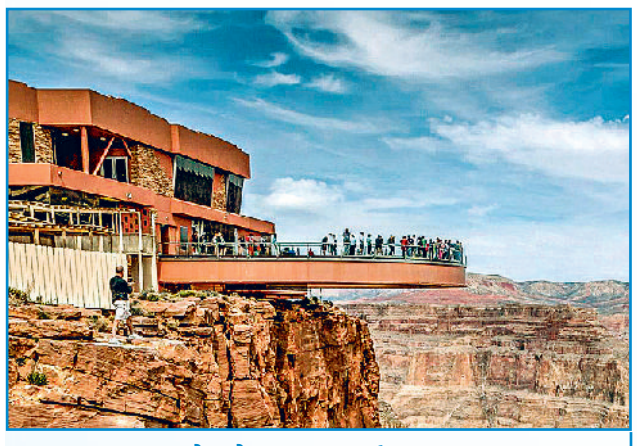

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं। *

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे। *

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है। *

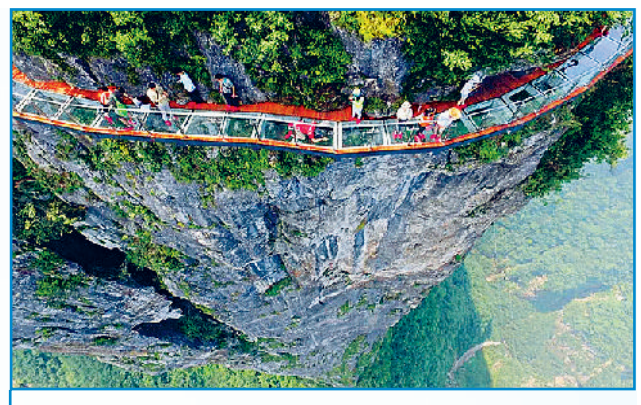

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है। *

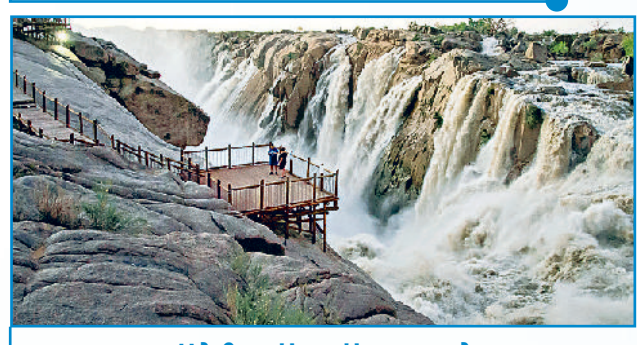

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। *

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

{ रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा }

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है। *

{ ट्रेंड / विवेक कुमार }

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है। *

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

{ बातचीत / पूजा सामंत }

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जो के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है। *

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'